भारत सरकार

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या †3461

उत्तर देने की तारीख 17 मार्च, 2021 (बुधवार)

26 फाल्गुन, 1942 (शक)

प्रश्न

'लुक ईस्ट' और 'एक्ट ईस्ट' नीति

†3461. श्री दिलीप शइकीया:
श्री रमेश चन्द्र कौशिक:

क्या उत्तर-पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या माननीय प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी 'लुक ईस्ट' तथा 'एक्ट ईस्ट' नीति संबंधी निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या इस संबंध में कोई समय-सीमा निर्धारित की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (घ) नवंबर, 2014 में घोषित 'एक्ट ईस्ट नीति' वर्ष 1992 में घोषित की गई "लुक ईस्ट नीति" का उन्नत रूप है। इसका लक्ष्य सकारात्मक और व्यावहारिक दृष्टिकोण के साथ इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के देशों के साथ आर्थिक सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देना और रणनीतिक संबंधों को विकसित करना और इस प्रकार से पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के आर्थिक विकास को सुधारना है जो दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र का प्रवेश द्वार है। यह नीति 1990 के दशक के प्रारंभ से निरंतर विकसित हो रही है और इसमें

संपर्कता, व्यापार, संस्कृति, रक्षा के क्षेत्रों में और द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय स्तरों पर लोगों के परस्पर संपर्क के क्षेत्र में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ गहन और सतत संपर्क शामिल ह□।

संपर्कता एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण घटक ह□। इस दिशा में किए गए प्रयासों में निम्नलिखित शामिल हैं:- भारत और बंगलादेश के बीच अगरतला-अखौरा रेल लिंक, बंगलादेश के रास्ते इंटरमोडल ट्रासंपोर्ट लिंकेज और अंतर्देशीय जलमार्ग, पूर्वोत्तर को म्यांमार और थाइलैंड के साथ जोड़ने वाली कलादान मल्टीमोडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना और त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना । भारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम के तहत सड़क एवं पुल तथा जल-विद्युत परियोजना के □धुनिकीकरण ज□सी परियोजनाएं शुरू की गई हैं । अन्य पहलों के तहत, महामारी के दौरान □सियान देशों को दवाइयों/मेडीकल □पूर्तियों के रूप में सहायता प्रदान की गई ह□। □सियान देशों के प्रतिभागियों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में 1000 पीएचडी फेलोशिप के ऑफर के साथ छात्रवृत्तियों की पेशकश की गई ह□। भारत शिक्षा, जल संसाधन, स्वास्थ्य □दि के क्षेत्रों में मूल स्तर के समुदायों को विकास सहायता प्रदान करने के लिए कम्बोडिया, लाओस, म्यांमार और वियतनाम में त्वरित प्रभाव परियोजनाएं भी कार्यान्वित कर रहा ह□।

*****